रात के चोर की तरह

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

यीशु ने अपनी वापसी के बारे में एक बहुत ही गंभीर चेतावनी दी: वह अचानक आएगा, जैसे रात में कोई चोर। यह चित्र हमें याद दिलाता है कि उनका आगमन अप्रत्याशित होगा, और कई लोग तैयार न होने के कारण पकड़ में आएंगे, ठीक वैसे ही जैसे कोई चोर तभी आता है जब कोई उम्मीद नहीं करता।

1. आध्यात्मिक सतर्कता की आवश्यकता

हर रात, सोने से पहले, जिम्मेदार लोग अपने दरवाजे बंद कर लेते हैं। यह केवल आदत नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिए है। फिर भी, केवल दरवाजे बंद करना पर्याप्त नहीं होता, क्योंकि कभी-कभी चोर बहुत तैयारी करके आता है। असली सुरक्षा जागते रहने में है।

इसी तरह, केवल बाहरी धार्मिकता पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं है। बपतिस्मा, चर्च जाना, या ईसाई पहचान “बंद दरवाजों” की तरह है। लेकिन अगर हम आध्यात्मिक रूप से सोए हुए हैं—निस्तेज, लापरवाह, या पाप में जी रहे हैं—तो हम अभी भी असुरक्षित हैं। यीशु जो चाहते हैं, वह है सतर्क और तैयार रहना, पवित्र जीवन जीना और हमेशा चौकस रहना।

2. यीशु की शिक्षा

रात के चोर की तरह

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

मत्ती 24:42–44 में लिखा है:

“इसलिए सतर्क रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा
स्वामी किस दिन आएगा। परन्तु यह समझो: यदि घर का मालिक जानता
कि चोर किस समय आएगा, तो वह जागकर अपने घर की रक्षा करता और
उसे तोड़ने नहीं देता। इसलिए तुम भी तैयार रहो, क्योंकि
मानव पुत्र उस समय आएगा जब तुम उसकी अपेक्षा नहीं कर रहे
हो।”

यहाँ यीशु अपनी वापसी को न्याय और अलगाव के साथ जोड़ते हैं: “दो लोग खेत में होंगे; एक लिया जाएगा, और दूसरा छोड़ा जाएगा।” (पद 40)
यह रैप्चर और अंतिम न्याय का आध्यात्मिक चित्र है—कुछ लोग मसीह के पास जाएंगे, और कुछ विनाश का सामना करेंगे (1 थेस्सलोनियों 4:16–17)।

मार्क 13:35–37 में भी यीशु कहते हैं:

“इसलिए सतर्क रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि घर का मालिक कब लौटेगा—शाम को, मध्यरात्रि में, मुर्गे की बोली पर या भोर में। यदि वह अचानक आए, तो वह तुम्हें सोता न पाए। जो मैं

रात के चोर की तरह

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

तुमसे कहता हूँ, वह सबको कहता हूँ: ‘सतर्क रहो!’”

यहाँ “नींद” शारीरिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक सुस्ती है—पाप और अनंत जीवन के प्रति उदासीनता।

3. अंतिम दिनों का अंधकार

बाइबल अंतिम समय को गहरी आध्यात्मिक अंधकार की अवधि के रूप में दिखाती है। जैसे चोर रात में सक्रिय रहते हैं, वैसे ही पाप आध्यात्मिक अंधकार में फलता-फूलता है। आज की दुनिया में अनैतिकता, भ्रष्टाचार, हिंसा, धन की लालसा और परमेश्वर के प्रति विद्रोह इस बात को दर्शाते हैं कि हम ऐसे समय में हैं।

1 थेस्सलोनियों 5:2–6 में पौलुस लिखते हैं:

“तुम यह अच्छी तरह जानते हो कि प्रभु का दिन रात के चोर की
तरह आएगा। जब लोग कहेंगे ‘शांति और सुरक्षा’, तब वे अचानक
विनाश के घेरे में पड़ेंगे, और बच नहीं पाएंगे। लेकिन तुम, भाईयों और बहनों, अंधकार में नहीं हो कि यह दिन तुम्हें चोर की तरह आश्चर्यचकित करे। तुम सब प्रकाश के और दिन के बच्चे हो। … इसलिए, अन्य लोगों की तरह मत बनो जो सो रहे हैं, बल्कि

रात के चोर की तरह

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

जागते और सचेत रहो।”

पौलुस प्रकाश और अंधकार के बच्चों की तुलना करते हैं। अधर्मी केवल इस दुनिया में जीते हैं और अनंत न्याय के बारे में अनजान हैं। धर्मी सतर्क रहते हैं, विश्वास और प्रेम में ढके रहते हैं और मुक्ति की आशा में जीवित रहते हैं।

4. सतर्क रहने का मतलब

बाइबल सतर्कता को सतर्क चिंता नहीं बल्कि मसीह में स्थिर जीवन के रूप में बताती है, जो आत्मा से भरा है और फल देता है। सतर्क रहने का अर्थ है:

पवित्र जीवन: परमेश्वर के लिए अलग जीवन जीना और पाप से बचना (1 पतरस 1:15–16) आत्मिक फल: प्रेम, धैर्य, नम्रता, आत्म-नियंत्रण (गलातियों 5:22–23)
स्वर्ग की दृष्टि: अपने जीवन को तीर्थयात्री की तरह जीना, मसीह के राज्य की चाहत रखना (कुलुस्सियों 3:1–2)
तैयारी: आध्यात्मिक नींद से बचना (इफिसियों 5:14)

जो व्यक्ति कहता है “मैं उद्धार पाया हूँ” पर पाप में जी रहा है—अनैतिकता, शराब, घमंड, गपशप, लालच—वह आध्यात्मिक रूप से सोया हुआ है। ऐसे लोग मसीह की वापसी पर आश्चर्यचकित होंगे।

रात के चोर की तरह

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

5. अंतिम न्याय और सृष्टि का परिवर्तन

मसीह की वापसी अचानक ही नहीं होगी, बल्कि सृष्टि का पूर्ण परिवर्तन लेकर आएगी।

2 पतरस 3:10–12 में लिखा है:

“परमेश्वर का दिन चोर की तरह आएगा। आकाश गरजते हुए गायब हो जाएगा; तत्व आग से नष्ट हो जाएंगे, और पृथ्वी और उसमें किए
गए सब काम उजागर होंगे। चूंकि सब कुछ नष्ट होगा, तो तुम किस प्रकार के लोग होने चाहिए? तुम्हें पवित्र और भक्ति जीवन
जीते हुए परमेश्वर के दिन की प्रतीक्षा करनी चाहिए और उसके आगमन को जल्दी लाना चाहिए।”

पतरस यह बताते हैं कि अंत समय की तत्परता अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह जानकर कि सब कुछ नष्ट होगा, ईसाई पवित्र और भक्ति जीवन जी सकते हैं, नए आकाश और नई पृथ्वी के लिए तैयार रहते हुए (2 पतरस 3:13)।

रात के चोर की तरह

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

6. चेतावनी और आशा

प्रकाशितवाक्य 16:15 में यीशु कहते हैं:

“देखो, मैं चोर की तरह आता हूँ! धन्य है वह जो जागता है और
कपड़े पहने रहता है, ताकि नग्न न हो और लज्जित न हो।”

यहाँ “कपड़े” का अर्थ है धार्मिकता, पवित्रता और तैयार रहना (प्रकाशितवाक्य 19:8)। जो सतर्क रहते हैं और अपने वस्त्रों की रक्षा करते हैं, उन्हें आशीर्वाद मिलेगा और वे लज्जित नहीं होंगे।

निष्कर्ष

यीशु मसीह की वापसी अचानक और अप्रत्याशित होगी, जैसे रात के चोर की तरह। बाहरी धार्मिकता पर्याप्त नहीं है—महत्वपूर्ण यह है कि हम आध्यात्मिक रूप से जागते, पवित्र और मसीह की धार्मिकता में लिपटे रहें।

अंतकालवाद (Eschatology): प्रभु का दिन निश्चित है, लेकिन समय अज्ञात है।
उद्धार (Soteriology): केवल मसीह की धार्मिकता में लिपटे लोग तैयार होंगे। पवित्रिकरण (Sanctification): सतर्कता पवित्र जीवन और आत्मिक फल के माध्यम से

रात के चोर की तरह

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

व्यक्त होती है।

इसलिए, हम प्रकाश के बच्चों की तरह जीवन जिएँ—सतर्क, सचेत और उस धन्य आशा का बेसब्री से इंतजार करें—हमारे महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह की भव्य प्रकटता (तीतुस 2:13)।

परमेश्वर आपको आशीर्वाद दे, क्योंकि आप सतर्क रहते हैं।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp